Scanned with OKEN Scanner

मुख्य विकास अधिकारी , अयोध्या द्वारा जल जीवन मिशन कार्यक्रन अन्तर्गत 'हर घर जल' के सम्बन्ध नें आहूत की गई समीक्षा बैठक दिनांक 21.07.2026 का कार्यवृत्त/दिए गए महत्वपूर्ण निर्देश बिन्दु।

दिनांक 21.07.2026 को अधोहस्ताक्षरी द्वारा जल जीवन मिशन के अन्तर्गत 'हर घर जल' के सम्बन्ध में प्रगति की समीक्षा जिलाधिकारी सभागार में की गई। समीक्षा बैठक में अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), सहायक अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण), जिला समन्वयक, डी0पी0एम0यू0, टीम लीडर, टी0पी0आई0 तथा चयनित एजेंसी मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एवं रैमकी (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स वी0एस0ए0–एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स यूनिवर्सल एमईपी प्रोजेक्ट एण्ड इंजीनियरिंग सर्विसेज लि0, मुम्बई, मेसर्स विन्ध्या टेलीलिंक लि0,–गाजा इंजीनियरिंग प्रा0लि0 (जे.वी.), नोएडा–201301 (उ0प्र0) के प्रतिनिधि उपस्थित थे। बैठक में की गई चर्चा एवं दिए गए निर्देशानुसार सभी सम्बन्धित अधिकारी को निम्न बिन्दुओं पर तत्काल अपेक्षित कार्यवाही करते हुए अनुपालन आख्या उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें।

- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद अयोध्या में 1144 राजस्व ग्रामों हेतु 535 नग पेयजल योजनाओं में से 352 नग पेयजल योजनाएं पूर्ण कर ली गई हैं, जिसमें से 310 नग योजनाओं का रख–रखाव एवं संचालन का कार्य प्रारम्भ किया जा चुका है। 535 नग योजना अन्तर्गत 540 नग शिरोपरि जलाशय से सापेक्ष 460 नग का कार्य पूर्ण कराया जा चुका है, अवशेष शिरोपरि जलाशय के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। साथ ही 419 नग योजनाओं के 865 नग राजस्व ग्रामों में नियमित जलापूर्ति प्रारम्भ करा दी गई है।
- अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद अयोध्या में 253 नग पेयजल योजनाओं में हर घर जल सर्टीफिकेशन कराया गया।
- अधोहस्ताक्षरी द्वारा टी0पी0आई0 (ओ0 एण्ड एम0) मे0 मेधज टेक्नो कॉन्सेप्ट प्रा0लि0 के डिप्टी टीम लीडर श्री राजितराम से जानकारी चाही गई कि जलापूर्ति की जा रही योजनाओं के पानी की गुणवत्ता एवं प्रेशर कैसा है तथा प्रेशर की जांच कैसे की जा रही है, जिस पर श्री राजित राम के द्वारा अवगत कराया गया कि जल की गुणवत्ता एवं प्रेशर ठीक है तथा प्रेशर की जांच प्रेशर ग्रेज अथवा 6 एलपीएम के मानक के अनुसार की जा रही है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा जानकारी चाही गई कि टी0पी0आई0 (ओ0 एण्ड एम0) में कितने कर्मचारी कार्यरत हैं, जिस पर राजितराम के द्वारा बताया गया कि कुल 10 कर्मचारी कार्यरत हैं, जिस पर अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निर्देशित किया गया चूंकि कार्यरत कर्मचारियों की संख्या पर्याप्त है इसलिए ओ0 एण्ड एम में भेजी गई सभी योजनाओं पर गुणवत्ता की जांच करते हुए अगली बैठक में पी0पी0टी0 फोटोग्राफ के साथ बनाकर रिपोर्ट प्रस्तुत करें।
- अधोहस्ताक्षरी द्वारा अधिशासी अभियन्ता (जल निगम ग्रामीण) से जानकारी चाही गई कि उनके द्वारा जलापूर्ति की जा रही पानी की गुणवत्ता की जांच कैसे की जा रही है, जिस पर अधिशासी अभियन्ता (जल निगम ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जल निगम में स्थापित एन.ए.बी.एल. प्रयोगशाला में हर माह प्रत्येक योजना से 02 सैम्पल की जांच की जा रही है, जिस पर अधोहस्ताक्षरी के द्वारा यह जानकारी चाही गई कि क्या अभी तक कोई सैम्पल फेल हुआ है तथा सैम्पल किसके द्वारा एकत्रित किया जा रहा है, जिस पर अधिशासी अभियन्ता (जल निगम ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि अभी तक कोई सैम्पल फेल नहीं हुआ है तथा सैम्पल एकत्रित करने का कार्य जल निगम प्रयोगशाला के कर्मचारी तथा कुछ सैम्पल फर्म के द्वारा उपलब्ध कराया जा रहा है, जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया फर्म के माध्यम से सैम्पल एकत्रित न किया जाय तथा प्रयोगशाला के कर्मचारी के माध्यम से सभी 11 ब्लाक से हर माह 5–5 सैम्पल एकत्रित किये जाय एवं इस कार्य मे टी0पी0आई0 का सहयोग लें।
- जिला कोआर्डिनेटर, डी0पी0एम0यू0 द्वारा अवगत कराया गया कि 04 योजनाओं नामतः कोटसराय विकासखण्ड– मसौधा एवं समदा एवं बनगवां पेयजल योजना, विकासखण्ड– मया बाजार में अभी भी द्वितीय नलकूप हेतु भूमि से संबंधित समस्या बनी हुई है तथा मित्रसेनपुर पेयजल योजना विकासखण्ड– पूरा बाजार में फर्म के द्वारा द्वितीय नलकूप हेतु भूमि क्रय किया जाना है। अधोहस्ताक्षरी के द्वारा जानकारी चाही गई कि मया बाजार के शेरवाघाट पेयजल योजना में भूमि को लेकर क्या स्थिति है। जिस पर अधिशासी अभियन्ता (जल निगम ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि शेरवाघाट पेयजल योजना में भूमि की समस्या का निराकरण किया जा चुका है तथा शिरोपरि जलाशय के निर्माण का कार्य प्रगति पर है। श्री आलोक कुमार मिश्र, सहा0अभि0 (जल निगम ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि पेयजल योजना बनगवां विकासखण्ड–मया बाजार में पुलिस बल की

आवश्यकता है, जिस पर अधोहस्ताक्षरी निर्देश दिया गया कि उपरोक्त समस्त समस्याओं हेतु पहले सम्बन्धित उपजिलाकारी से समन्वय स्थापित करते हुए करते हुए निस्तारण कराने का प्रयास करें।

- अधिशासी अभियन्ता (जल निगम ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में कुल 25 नग योजनाओं में विभिन्न विभागो से अनापत्ति प्रमाण पत्र प्राप्त करने की आवश्यकता है, जिसके अन्तर्गत सुलतानपुर–अयोध्या राष्ट्रीय राजमार्ग से संबन्धित योजनाओं में वार्ता करके अनापत्ति प्राप्त किया जा रहा है, जबकि रायबरेली–अयोध्या मार्ग पर पड़ने वाली पेयजल योजनाओं हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र नही प्राप्त हो रहा है, जिसके संदर्भ में सम्बन्धित विभाग को बुलाकर आपके समक्ष वार्ता किये जाने की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त पूर्वांचल एक्सप्रेस–वे पर पड़ने वाली दो नग पेयजल योजनाओं हेतु अनापत्ति प्रमाण पत्र शीघ्र प्राप्त हो जायेगा। विकासखण्ड– मवई में रानीमऊ पेयजल योजना में वन विभाग से अनापत्ति प्रमाण पत्र लम्बित है। जिसके सम्बन्ध में अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देशित किया गया कि सम्बन्धित विभागों से समन्वय स्थापित कर शीघ्र अनापत्ति प्रमाण पत्र करें।

<u>एजेंसीवार प्रगति की समीक्षा की गई जिसका विवरण निम्न है –</u>

1. **मेसर्स यूनिवर्सल एमईपी प्रोजेक्ट एण्ड इंजीनियरिंग सर्विसेज लि0, मुम्बई की योजनावार समीक्षा बैठक में पाया गया कि –**

   * फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि 164 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 164 नग, 164 नग पम्पहाउस के सापेक्ष 164 नग, 164 नग बाउण्ड्रीवाल के सापेक्ष 163 नग, 159 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष 157 नग, 2311 किमी0 पाइप लाइन के सापेक्ष 2380 किमी0 पाइप लाइन का कार्य तथा 116908 नग गृह जल संयोजन के सापेक्ष 117000 नग का कार्य पूर्ण है, 151 नग पेयजल योजनाओं में जलापूर्ति की जा रही है। 146 नग पेयजल योजनाएं रख–रखाव एवं संचालन कार्य हेतु प्रेषित की जा चुकी हैं।
   * फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि शेष 02 नग शिरोपरि जलाशय का निर्माण कार्य प्रगति पर जिसे अगामी दो माह में पूर्ण कर लिया जायेगा।
   * अधोहस्ताक्षरी द्वारा टी0पी0आई0 (ओ0 एण्ड एम0) से जानकारी चाही गई कि फर्म के द्वारा जलापूर्ति की जा रही पानी की गुणवत्ता एवं प्रेशर कैसा है, जिसके सम्बन्ध में अवगत कराया गया कि पानी की गुणवत्ता एवं प्रेशर ठीक है।

2. **मेसर्स वी0एस0ए0–एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद की योजनावार समीक्षा बैठक में पाया गया कि –**

   * फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि 328 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 323 नग, 328 नग पम्पहाउस के सापेक्ष 277 नग, 328 नग बाउण्ड्रीवाल के सापेक्ष 293 नग, 296 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष 237 नग, 7077 किमी0 पाइप लाइन के सापेक्ष 6651 किमी0 पाइप लाइन का कार्य तथा 189415 नग गृह जल संयोजन के सापेक्ष 187397 नग का कार्य पूर्ण है, 196 नग पेयजल योजनाओं से नियमित जलापूर्ति की जा रही है। 111 नग पेयजल योजनाएं रख–रखाव एवं संचालन कार्य हेतु प्रेषित की जा चुकी हैं।
   * अधोहस्ताक्षरी द्वारा फर्म को निर्देशित किया गया अवशेष कार्यों को शीघ्र पूर्ण कराएं।

3. **मेसर्स विन्ध्या टेलीलिंक लि0,–गाजा इंजीनियरिंग प्रा0लि0 (जे.वी.), नोएडा की योजनावार समीक्षा बैठक में पाया गया कि –**

   * फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि 54 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 54 नग, 54 नग पम्पहाउस के सापेक्ष 53 नग, 54 नग बाउण्ड्रीवाल के सापेक्ष 53 नग, 49 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष 48 नग, 854 किमी0 पाइप लाइन के सापेक्ष 831 किमी0 पाइप लाइन का कार्य तथा 26082 नग गृह जल संयोजन के सापेक्ष 25035 नग का कार्य पूर्ण है, 40 नग पेयजल योजनाओं में जलापूर्ति की जा रही है। 32 नग पेयजल योजनाएं रख–रखाव एवं संचालन कार्य हेतु प्रेषित की जा चुकी हैं।
   * अधोहस्ताक्षरी द्वारा जानकारी चाही गई कि अवशेष 1 नग शिरोपरि जलाशय में क्या समस्या है, जिस पर फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि एक कॉलम दरार आने के कारण शिरोपरि जलाशय की जांच आईआईटी से कराने का कार्य प्रगति पर है। रिपोर्ट आने के उपरान्त शीघ्र कार्य प्रारम्भ करा दिया जायेगा।
   * फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि 43 नग पेयजल योजनाओं में क्लोरीनेशन किया जा रहा है, जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा जानकारी चाही गई कि अन्य योजनाओं क्लोरीनेशन क्यों नहीं किया जा रहा है, प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि सभी योजनाओं में क्लोरीनेटर स्थापित करा दिया गया है शीघ्र ही क्रियाशील करा दिया जायेगा।

Scanned with OKEN Scanner

4. मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एवं रैमकी (जे0वी0), हैदराबाद की योजनावार समीक्षा बैठक में पाया गया कि –

* फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर द्वारा अवगत कराया गया कि 46 नग ट्यूबवेल के सापेक्ष 45 नग, 46 नग पम्पहाउस के सापेक्ष 44 नग, 46 नग बाउण्ड्रीवाल के सापेक्ष 44 नग, 36 नग शिरोपरि जलाशय के सापेक्ष 34 नग, 417 किमी0 पाइप लाइन के सापेक्ष 424 किमी0 पाइप लाइन का कार्य तथा 19523 नग गृह जल संयोजन के सापेक्ष 18851 नग का कार्य पूर्ण है, 33 नग पेयजल योजनाओं में जलापूर्ति की जा रही है। 23 नग पेयजल योजनाएं रख–रखाव एवं संचालन कार्य हेतु प्रेषित की जा चुकी हैं।
* अधोहस्ताक्षरी द्वारा फर्म के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि अवशेष शिरोपरि जलाशय का कार्य शीघ्र पूर्ण करायें।

5. <u>आई0ई0सी0 –</u>

अधोहस्ताक्षरी द्वारा जानकारी चाही गई कि क्या आई0ई0सी0 संस्थाओं द्वारा जनपद में क्या कार्य कराया जा रहा है, जिस पर जिला कोआर्डिनेटर, डी0पी0एम0यू0 द्वारा अवगत कराया गया कि शिरोपरि जलाशय परिसर में पेंटिंग एवं लिखवाने का कार्य कराया जा रहा है, जिसमें से कुछ कार्य अभी शेष है, जिसे शीघ्र ही पूर्ण कराया जायेगा।

अधिशासी अभियन्ता (जल निगम ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि ई–जलशक्ति पोर्टल पर सभी 535 नग पेयजल योजनाओं की RPWSS ID बनाने का कार्य करा लिया गया है। साथ ही यह भी अवगत कराया गया कि सरकार द्वारा जेजेएम डैशबोर्ड पर अब जिलावार प्रगति भी प्रदर्शित की जा रही है जिसके माध्यम से जनपद में पूर्ण करायी जा रही सभी योजनाओं के प्रगति की जानकारी प्राप्त की जा सकती है। साथ ही अधिशासी अभियन्ता (जल निगम ग्रामीण) द्वारा अनुरोध किया गया कि सरकार द्वारा लांच की गई जल सारथी ऐप को अपने मोबाइल में डाउनलोड करें जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा जल सारथी ऐप को अपने मोबाइल में डाउनलोड किया गया।

इसके अतिरिक्त अधोहस्ताक्षरी द्वारा समस्त कार्यदायी फर्मो को निर्देशित किया गया कि सड़क मरम्मत का कार्य गुणवत्ता पूर्ण कराया जाये एवं क्लोरीन युक्त पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करें।

कार्यालय– मुख्य विकास अधिकारी, अयोध्या

पत्रांक 6677 / M-27 / 144 दिनांक : 10/08/2026

प्रतिलिपि – निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित –

1. जिलाधिकारी, अयोध्या।
2. अधीक्षण अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), अयोध्या।
3. अधिशासी अभियन्ता, जल निगम (ग्रामीण), अयोध्या।
4. समस्त उपजिलाधिकारी, अयोध्या को इस आशय से प्रेषित कि अपने से सम्बन्धित क्षेत्र की योजनाओं में भूमि उपलब्ध नहीं है अथवा भूमि विवादित है, का निस्तारण कराने का कष्ट करें।
5. समस्त खण्ड विकास अधिकारी को इस निर्देश के साथ कि पूर्ण योजनाओं के हर घर जल प्रमाणीकरण हेतु ग्राम पंचायत सचिव से सत्यापन कराकर प्रमाणीकरण का कार्य कराएं।
6. डिस्ट्रिक्ट कोआर्डिनेटर, डी0पी0एम0यू0, अयोध्या।
7. टीम लीडर, टी0पी0आई0, अयोध्या यूनिट।
8. मेसर्स गायत्री प्रोजेक्ट लि0 एवं रैमकी (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स वी0एस0ए0– एस0सी0एल0 (जे0वी0), हैदराबाद, मेसर्स यूनिवर्सल एमईपी प्रोजेक्ट एण्ड इंजीनियरिंग सर्विसेज लि0, मुम्बई, मेसर्स विन्ध्या टेलीलिंक लि0,–गाजा इंजीनियरिंग प्रा0लि0 (जे.वी.), नोएडा–201301 (उ0प्र0)।

Digitally signed by Krishan Kumar Singh
(कृष्ण कुमार सिंह)
Date: 27-07-2026 15:13:58
मुख्य विकास अधिकारी
अयोध्या।

Scanned with OKEN Scanner